AIRO JOURNALS

Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume:2 Issue:3
June 2021
Impact Factor: 6.3
Subject: Humanities

कोरोना वायरस की जागरूकता का सर्वे: उदयपुर शहर के सन्दर्भ में एक यादृच्छिक अध्ययन

प्राण बंजारा
शोधार्थी बैंकिंग एवं व्यावसायिक अर्थव्यवस्था विभाग, वाणिज्य एवं प्रबंधन महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

DECLARATION: I AS AN AUTHOR OF THIS PAPER / ARTICLE, HEREBY DECLARE THAT THE PAPER SUBMITTED BY ME FOR PUBLICATION IN THE JOURNAL IS COMPLETELY MY OWN PAPER. IF ANY ISSUE REGARDING COPYRIGHT/PATENT/ OTHER REAL AUTHOR ARIES, THE PUBLISHER WILL NOT BE LEGALLY RESPONSIBLE. IF ANY OF SUCH MATTERS OCCUR PUBLISHER MAY REMOVE MY CONTENT FROM THE JOURNAL.

शोध सार

देश में कोरोना वायरस का पहला केस 27 जनवरी 2020 को केरल राज्य में पाया गया, और 30—40 दिनों के भीतर इसने सम्पूर्ण देशभर में फैलकर लाखों लोगों को संक्रमित कर दिया जिसके परिणाम स्वरूप संपूर्ण देश में लॉकडाउन हुआ। सम्पूर्ण विश्व में एक अदृश्य वायरस ने तबाही मचा दी।भारत के इतिहास में पहली बार लॉकडाउन लगा जो की 25 मार्च से 31 मई 2020 तक 68 दिनों तक रहा।यह आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक और भौतिक रूप से हर वर्ग के नागरिकों के लिए अति चुनौतीपूर्ण रहा द्य लॉकडाउन, क्वारंटाइन, कोरोना, सोशल डिस्टन्सिंग, मास्क, सैनिटाईजर जैसे शब्दों की बौछार होने लगी।

प्रस्तुत शोध में कोरोना वायरस सम्बन्धी उन सभी जानकारियों का अध्ययन किया गया जो की एक जिम्मेदार नागरिक के ध्यान में अवश्य होनी चाहिएद्य यह एक व्याख्यात्मक एवं यादृच्छिक शोध अध्ययन है जिसका मुख्य उद्देश्य उदयपुर शहर के नागरिकों में कोरोना वायरस सम्बन्धी आधारभूत जानकारियों एवं जागरूकता का परिक्षण करना हैं। इसके अंतर्गत कोरोनावायरस के विभिन्न प्रकारों (वेरिएंट— अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा, डेल्टा प्लस) के प्रमुख लक्षण, बचाव के विभिन्न तरीके, मास्क की भूमिका एवं प्रक्षालक (सैनिटाईजर) का उपयोग इत्यादि शामिल हैं। इस शोध के द्वारा यह अपेक्षित हैं की इस चुनौतीपूर्ण काल में और भी ज्यादा सावधानी बरतने, सामाजिक दूरी का पालन करने तथा मास्क के सही उपयोग के लिए प्रेरित किया जा सके।

AIRO JOURNALS

Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume:2 Issue:3
June 2021
Impact Factor: 6.3
Subject: Humanities

परिचय

कोरोना वायरस के तकनीकी अध्ययन से यह पता चला की म्युटेशन द्वारा यह रुप परिवर्तन करता हैं, और बदलाव के साथ इसके मुख्य लक्षणों में भी बदलाव आता हैं | यह तकनीकी रूप से कोरोनावायरस–2 (SARS–CoV–2) से जाना जाता हैं| कोविड–19 महामारी की शुरुआत में कड़े लॉकडाउन के द्वारा लोगों के जीवन की रक्षा करने तथा मध्य और लम्बी अवधि में आर्थिक सुधार के लिए अत्यधिक अनिश्चितता की स्तिथि में कम से कम नुकसान होने की नीति अपनायी गई जो हैन्सेन एण्ड सार्जेट (2001) की नोबेल पुरुस्कार से सम्मानित शोध से प्रेरित थी | देश में मई 2020 के बाद जब मरीजों की संख्या में गिरावट देखी गयी तब से आर्थिक, सामाजिक, औद्योगिक गतिविधियाँ शुरू हुई और सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में सुधार लाने के प्रयास किये गए| सब कुछ वापस पहले की तरह होने लगा था की अचानक से कोरोना के नए वैरिएंट ने फिर से मरीजों की संख्या में उछाल ला दी और दूसरी लहर की शुरुआत हो गयी|इस बार लक्षण में बदलाव के साथ मौतों का प्रतिशत भी ज्यादा देखने को मिला | नए वैरिएंट में कोरोना के मुख्य लक्षणों में मरीजों द्वारा श्वशन में कठिनाई और रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा में कमी देखी गयी जो की अत्यधिक घातक साबित हुई | फलस्वरुप राजस्थान में 19 अप्रैल 2021 से पुनः लॉकडाउन लगाया गया जो की 8 जून तक रहा तत्पश्चात अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो गई | इस दौरान जहाँ लोगों द्वारा अत्यधिक सावधानियां बरती गई वही व्यापक अनुशासनहीनता भी देखी गई द्य मास्क को नाक से निचे लगाना, बेवजह घर से बहार निकलना, उचित दूरी बनाये रखने का उलंघन करना आदि अनुचित व्यहवार देखे गए |सरकार द्वारा समय अनुसार गाइडलाइन्स जारी की गई और जागरूकता अभियान भी चलाये गए | जिसकी पालना करने हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा भी अथक प्रयास किये गए |

शोध क्रियाविधि

इस शोध में यादृच्छिक नमूना प्रणाली द्वारा सुविधाजनक नमूने लेकर अध्ययन किया गया जिसमें 200 व्यक्तियों से अनुसूची में कोरोना वायरस सम्बन्धी प्रश्न पूछे गए जो बहुत ही सरल, सामान्य एवं सीधे थेद्य इसमें वे सभी प्रश्न जोड़े गए जो की कोरोना–19 के इस मुश्किल दौर में हर किसी को अपने

AIRO JOURNALS

Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume:2 Issue:3
June 2021
Impact Factor: 6.3
Subject: Humanities

नैतिक कर्त्तव्य के तौर पर पता होने ही चाहिए | अनुसूची को उदयपुर शहर के अलग–अलग क्षेत्रों में जाकर सामाजिक दूरी की पालना करते हुए उत्तरदाताओं से प्रश्नो को पूछकर स्वयं शोधकर्त्ता द्वारा भरा गया | शोध के क्रियान्वयन में एक अनुसूची तैयार की गयी जो की यादृच्छिक विधि द्वारा उदयपुर शहर के 200 उत्तरदाताओं से गणनाकार की मदद से भरी गयी| शोध को प्रासंगिक और सार्थक बनाने के लिए 200 उत्तरदाताओं के चुनाव में यह सुनिश्चित किया गया की वे शैक्षिक,आर्थिक,सामाजिक,धार्मिक, लिंग एवं आयु इत्यादि के आधार पर भिन्न हो| अनुसूची में प्रश्नो को समाहित कर प्रत्यक्ष रूप से, ई–मेल द्वारा तथा टेलीफोन द्वारा भी प्रश्नावली भरी गयी |शोध में प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़ों को संग्रहीत किया गया |

शोध के मुख्य उद्देश्य

अध्ययन के लिए उदयपुर शहर के नागरिकों के समक्ष अनुसूची प्रस्तुत कर विभिन्न प्रश्नो द्वारा सामान्य जानकारी जुटाकर शोध के निम्न उद्देश्यों को पूर्ण करने का प्रयास किया गया| इस अध्ययन के उद्देश्य उदयपुर के नागरिको से निम्न जानकारियां जुटाकर विश्लेषण करना हैं –

1. कोरोना वायरस की सामान्य जानकारियों एवं जन जागरूकता का परिक्षण |
2. कोरोना वायरस से बचाव के लिये उपलब्ध उचित उपायों सम्बन्धी जागरूकता का परीक्षण |
3. मास्क और सेनिटाईजर के प्रयोग की जानकारी का परिक्षण |

विषय–वस्तु

कोरोना वायरस इतना घातक हैं की यह एक व्यक्ति से दुसरे व्यक्ति तक बहुत जल्दी पहुंच जाता हैं | इसके संक्रमण का आधार माध्यम श्वशन एवं बोलते वक्त निकली हुई ड्रॉप्लेट्स (बूंदे) हैं | जिसके चलते यह संपूर्ण विश्व में करोड़ों लोगो को चपेट में ले चूका हैं | जिसके चलते विश्वभर में अबतक 39.75 लाख लोगों की मौत हो चुकी हैं | भारत में यह आंकड़ा अब तक 4 लाख हैं | जबकि राजस्थान में अब तक 8923 लोगों की मौत हो चुकी हैं|

AIRO JOURNALS

Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume:2 Issue:3
June 2021
Impact Factor: 6.3
Subject: Humanities

कोरोना महामारी के बचाव का अंतिम इलाज वैक्सीन को ही माना जा रहा हैं | अमेरिकी स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. एंथोनी फाउची, निदेशक नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इन्फेक्शस डिजीसेज ने भी कहा हैं की कोरोना वायरस वैश्विक महामारी का ईलाज वैक्सीन से ही संभव हैं | हालांकि दुनियाभर के चिकित्सकों और विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न परिक्षण किये जा रहे हैं ताकि जल्द से जल्द इस दुविधा से निजात पाया जा सकेद्य उदयपुर शहर में मुख्यतः दो टीकों ऑक्सफोर्ड–एस्ट्राजेने द्वारा विकसित सीरम इंस्टीटुडे ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित कोविशिल्ड तथा भारत बायोटेक, इंडियन कॉउन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा निर्मित कोवैक्सीन का इस्तेमाल किया जा रहा हैं | कई अन्य वैक्सीन को भी जल्द ही वितरित किया जाएगा जिसमे मुख्यतः रूस की स्पुतनिक –ट, स्पुतनिक लाइट, अमेरिका की फाइजर और मॉडर्ना, भारतीय जाइडस कैडिला द्वारा जाइकोव (ंलब्वट–डी) इत्यादि |

वैक्सीन के पर्याप्त उत्पादन और वितरण की प्रक्रिया में समय लगना लाजमी हैं | इस वजह से सरकार भी जरूरत पड़ने पर लॉक डाउन का रास्ता अपना चुकी हैं लेकिन अर्थव्यस्था और राष्ट्र पर उसके दुष्परिणाम भी घातक हैं |अगर नागरिको की बात की जाये तो उनसे ये अपेक्षा की जाती हैं की वे कोरोना को फैलने से रोकने में मदद करके बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करे जिसके लिए उनके पास कोरोना सम्बन्धी मुख्य जानकारी होना अति आवश्यक हैं | हाल ही एक अध्ययन में यह देखा गया की 40 : लोगों ने मास्क का प्रयोग नहीं किया और 64 : लोगों ने मास्क को नाक के नीचे तक ही पहना |

निष्कर्ष

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी हैं जिसका संक्रमण कितने समय तक रहेगा यह कहना फिलहाल मुश्किल हैं क्योकि यह म्युटेशन द्वारा अपने रूप में परिवर्तन कर रहा हैं | परिणामस्वरूप, अनिश्तता अत्यधिक हैं, बचाव ही उपाय हैं और वैक्सीन ही दीर्घकालिक समाधान हैं|शोध में मुख्यतः यह पाया गया की अधिकांश लोगों को कोरोनावायरस महामारी सम्बन्धी आधारभूत जानकारियां नहीं हैं | सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों द्वारा प्रचलित निराधार एवं गलत सूचनाओं पर बिना किसी प्रति–परिक्षण (क्रॉस चेक) किए भरोसा करने के उपरांत उसे विभिन्न समूहों में भेज देते हैं जिससे

ISSN: 2320-3714
Volume:2 Issue:3
June 2021
Impact Factor: 6.3
Subject: Humanities

अधिक भ्रांतिया फैलती हैं| नाक में नीम्बू निचोड़ने से कोरोनावायरस से बचाव किया जा सकता हैं जैसी अफवाहे इनमे शामिल हैं।

निष्कर्ष में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आये जो इस प्रकार हैं–

- 40: (80) उत्तरदाताओं को यह भी नहीं पता हैं की कोरोना वायरस का फैलने का माध्यम क्या हैं।
- कोरोना वायरस के लक्षणों की बात करे तो 75: (150) उत्तरदाताओं ने सटीक जवाब दिए।
- 65: (130) उत्तरदाताओं में मास्क के सही इस्तेमाल की जानकारी नहीं पायी गयी।
- 36: (72) उत्तरदाताओं ने नियमित रुप से मास्क का उपयोग नहीं किया।
- 21.5: (43) उत्तरदाताओं ने नाक से नीचे मास्क पहना।
- 17.5: (35) उत्तरदाताओं ने वैक्सीन के दोनों डोज लगवाए एवं 29.5: (59) लोगों ने अब तक एक डोज लगवाया।
- 20.5: (41) लोगों ने वैक्सीन नहीं लगवाने का निर्णय लिया।
- 5: (10) उत्तरदाताओं ने अपने पास सैनिटाईजर रखा।

सन्दर्भ सूची

1. https%//www-worldometers-info/coronavirus/

2- https%//epaper-bhaskar-com/udaipur/18/20052020/0/1/

3- https%//www-thehindu-com/news/national/vaccination&is&the&only&long&term&solution&to&covid&19&crisis&in&india&says&fauci/article34522378-ece

AIRO JOURNALS

Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume:2 Issue:3
June 2021
Impact Factor: 6.3
Subject: Humanities

4- https%//www-worldometers-info/coronavirus/#countries

5- https%//www-worldometers-info/coronavirus/country/india/

6- https%//www-who-int/

7- https%//news-google-com/covid19/map\hl¾en&IN&mid¾%2Fm%2F06k5_&gl¾IN&ceid¾IN%3Aen

8- https%//www-bharatbiotech-com/covaÛin-html#%~%teÛt¾COVAXIN%C2%AE%2C%20India^s%20indigenous]Institute%20of%20Virology%20¼NIV½-

9- https%//www-deccanherald-com/national/west/covid&19&lockdown&in&rajasthan&from&april&19&to&may&3&976007-html

10 - Anterastriya chronology monthly current affairs March 2021

11 -https%//www-worldometers-info/coronavirus/coronavirus&death&toll/

12 - https%//coronaclusters-in/rajasthan

*****